भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +4369

सोमवार, 22 मार्च, 2021/1 चैत्र, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र से अर्जित राजस्व

+4369. श्री प्रताप सिम्हा:

श्री भगवंत खुबा:

कुमारी चन्द्राणी मुर्मु:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों के दौरान सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र से कुल कितना राजस्व सृजित हुआ और विदेशी मुद्रा अर्जित की गई;

(ख) भारत में पर्यटन की संभाव्यता में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत किसी नए सर्किट को जोड़ने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रह्लाद सिंह पटेल)

(क): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार पर्यटन से सृजित राजस्व के संबंध में आंकड़ों का संकलन नहीं करता है। तथापि वर्ष 2018 से 2019 के दौरान पर्यटन से प्राप्त विदेशी मुद्रा आय (एफईई) का विवरण नीचे दिया गया है:-

वर्ष	**एफईई (करोड रु.)**
2018	194881
2019	211661

(ख): पर्यटन मंत्रालय देश की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक विरासत सहित भारत का संवर्धन एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में करता है। पर्यटन मंत्रालय विदेशों में स्थित अपने भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से पर्यटन सृजनकारी बाजारों में भारत को एक प्राथमिकता प्राप्त पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने और वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत के हिस्से में वृद्धि करने के लिए विभिन्न भारतीय पर्यटन उत्पादों के संवर्धन के लिए प्रयासरत है। विदेशी बाजारों में किए जा रहे संवर्धनात्मक प्रयासों के विशेष घटकों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया में विज्ञापन, अंतर्राष्ट्रीय मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी, भारत को जाने संगोष्ठी, कार्यशाला, रोड शो का

आयोजन, ब्रोशर तथा कोलेटरल का मुद्रण और निर्माण, आतिथ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मीडिया तथा यात्रा व्यापार जगत के सदस्यों को देश की यात्रा के लिए आमंत्रित करना शामिल है।

पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन के विकास को प्राथमिकता दे रहा है। मंत्रालय ने थीम आधारित पर्यटक परिपथों के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन योजना' और तीर्थस्थानों के सौंदर्यीकरण और सुविधाओं और अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रसाद)' योजना आरंभ की है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपने देश की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में नागरिकों में जागरूकता पैदा करने और घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए जनवरी 2020 में देखो अपना देश पहल की शुरुआत की है। यह पहल दिनांक 15 अगस्त 2019 को माननीय प्रधानमंत्री महोदय के भाषण में देश के प्रत्येक नागरिक से वर्ष 2022 तक देश के कम से कम 15 गंतव्यों की यात्रा के अनुरोध के अनुसरण में है।

(ग) और (घ): पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' योजना के अंतर्गत सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न गंतव्यों में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु सुनियोजित तथा चरणबद्ध तरीके से देश में थीमैटिक परिपथों का विकास कर रहा है। इस योजना के तहत विकास हेतु 15 थीमैटिक परिपथ अभिज्ञात किए गए हैं यथा पूर्वोत्तर, बौद्ध, हिमालय, तटवर्ती, कृष्ण, मरुस्थल, जनजातीय, इको, वन्य जीव, ग्रामीण, आध्यात्मिक, रामायण, विरासत, तीर्थंकर और सूफी परिपथ। इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करना एक सतत प्रक्रिया है। विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है। वर्तमान में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृति हेतु कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

****